Roll No. : ..... Total Pages : 4

HIN8113T

M.A. FIRST SEMESTER (NEP) EXAMINATION, 2023-24

HINDI

हिन्दी काव्य : आदिकाल एवं भक्तिकाल

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 80

खण्ड-अ *[Marks :16]*

सभी आठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-ब *[Marks :40]*

*प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
*प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

खण्ड-स *[Marks :24]*

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्न करने **अनिवार्य** हैं :

(i) गोरखनाथ का मंत्र क्या है?

(ii) गोरखनाथ के गुरु का नाम बताइए।

(iii) 'संग सयन न सथ्यि नृपति न जानयउ', पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) कबीर कहता ..... है सब कोई, रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(v) जायसी की किन्हीं दो कृतियों के नाम लिखिए।

(vi) सूरदास किसकी आज्ञा से श्रीनाथजी के मंदिर में भजन-कीर्तन करने लगे?

(vii) तुलसीदासजी की मृत्यु कब हुई?

(viii) भक्तिकाल की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. (अ) गोरखनाथ के काव्य की विशेषताओं को सोदाहरण लिखिए।

अथवा

(ब) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

छत्तिय हत्थु धरंत नयन्ननु चाहियउ।

तबहि दासि करि हथ्थ सु बंचि सुनावियउ।

बानावरि दुह बाह रोस रिस दाहियउ।

मनहु नागपति पतिनि अप्प जगावियउ।

इकाई-II

3. (अ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

माया महा ठगिनि हम जानी।

तिरगुन फाँसि लिए कर डोलै, बोलै मधुरी बानी।।

केशव के कमला होइ बैठी, सिव के भवन भवानी।

पंडा के मूरत होय बैठी, तीरथहू में पानी।।

अथवा

(ब) नागमती चितउर-पथ हेरा, पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा।

नागर काहु नारि बस परा, तेइ मोर पिउ मोसौं हरा।

सुआ काल होइ लेइगा पीऊ, पिउ नहिं जात, जात बरू जीऊ।

भएउ नरायन बावन करा, राज करत राजा बलि छरा।

इकाई-III

4. (अ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

जोग ठगौरो ब्रज न बिकैहै।

यह ब्योपार तिहारो ऊधो! ऐसोई फिरि जैहै।।

जापै लै आए हौ मधुकर ताके उर न समैहे।

दाख छाँड़ि कै कटुक निबौरी को अपने मुख खैहै ?

मूरी के पातन के केना को मुक्ताहल दैहै।

सूरदास प्रभु गुनहि छाँड़ि कै को निर्गुन निबैहै ?

अथवा

(ब) कहौ कौन मुँह लाइ कै रघुबीर गुसाई।

सकुचत समुझत आपनी सब साइँ दुहाई।

नाथ गरीबनिवाज हैं, मैं गही न गरीबी।

तुलसी प्रभु निज ओर तें बनि परै सो कीबी।

इकाई-IV

5. (अ) कबीर के समाज सुधार सम्बन्धी विचारों को उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा

(ब) भक्तिकाल की सूफी परम्परा को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-V

6. आदिकाल की प्रवृत्तियों को सोदाहरण लिखिए।

अथवा

भक्तिकाल की प्रवृत्तियों को उदाहरण सहित लिखिए।

खण्ड-स

7. पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता-अमाणिकता को तर्कों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. पद्मांवत के नागमती वियोग खंड के आधार पर नागमती का चरित्र चित्रण कीजिए।

9. "गोपियों के प्रेम के समक्ष उद्धव के योग का रंग फीका है", कथन की उदाहरण सहित समीक्षा कीजिए।

10. 'विनय-पत्रिका' में आए पदों के आधार पर तुलसी की भक्ति पर लेख लिखिए।

----- × -----